RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

विदर्भ स्वाभिमान

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे   प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

❖ अमरावती, गुरूवार 29 फरवरी से 6 मार्च 2024 ❖वर्ष :14 ❖ अंक- 36 ❖ पृष्ठ 9 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

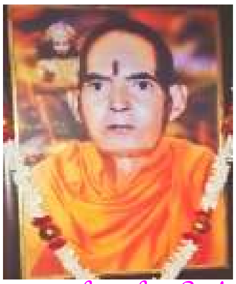

पूज्य बाबूजी का ज़ीवन सिद्धांत

रिश्तो को अगर आपको बनाए रखना है तो आपको प्रेम से बोलना होगा और संबंधित व्यक्ति के स्वार्थ की पूर्ति करती रहनी होगी.लेकिन जिस दिन कभी आपने सच बोल दिया तो उसी दिन से संबंधों में खटास पक्का हो जाता है.दिए पैसे का जब तक हिसाब नहीं मांगेंगे तब तक रिश्ता मजबूत रहता है और आपने जिस दिन पैसे का हिसाब मांग लिया उसे दिन से रिश्ता खट्टा होने जैसी स्थिति आज के दौर में हो रही है.वैसे भी स्वार्थ की इस दौर में एक दो फ़ीसदी छोड़ दिया जाए तोऐ सा व्यक्ति मिलना ही मुश्किल है जो किसी के लिए बगैर स्वार्थ भाव से कुछ करें .

किसके पापों की सजा विदर्भ ने भुगता

यवतमाल में विपक्ष पर जमकर बरसे मोदी, कहा अब विदर्भ विकास की बहेगी गंगा

विदर्भ स्वाभिमान, 28 फरवरी

यवतमाल-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विदर्भ के पिछड़ेपन के लिए विपक्ष और सर्वाधिक समय तक सत्ता में रहने वाली पार्टियों को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि उनके पापों की सजा ही विदर्भ की जनता को भुगतनी पड़ रही है. लेकिन अब ऐसा नहीं होगा. भाजपा ने विदर्भ विकास को सदैव महत्वपूर्ण स्थान दिया है. केन्द्र सरकार सभी राज्यों के संतुलित विकासार्थ प्रयासरत है. उन्होंने जनता से भी ऐसे स्वार्थी दलों को समझने और सावधान रहने की सलाह दी. बुधवार को यवतमाल में विपक्ष पर जमकर हमला बोला. प्रधानमंत्री मोदी

ने कहा कि विदर्भ के हर परिवार को यह जानने का हक है कि किसके पाप की सजा उन्हें भुगतनी पड़ी है. मोदी ने रेल सड़क और सिंचाई से संबंधित 4900 करोड़ रूपए से अधिक की कई विकास योजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया. साथ ही कहा कि केन्द्र तथा राज्य सरकार बिना किसी तरह की राजनीति किए हर क्षेत्र के विकासार्थ प्रयासरत हैं. उन्होंने पूरे महाराष्ट्र में 1 करोड़ आयुष्मान कार्ड वितरण की भी शुरूआत की और ओबीसी श्रेणी के लाभार्थियों के लिए मोदी आवास घरकुल योजना आरंभ की. इस दौरान उन्होंने वर्धा से कलंब तथा आष्टी से अमलनेर तक की दो ट्रेन सेवाओं को भी हरी झंडी दिखाई . प्रधानमंत्री ने यवतमाल शहर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा का भी अनावरण किया.हवाई अड्डे के सामने हुई सभा को संबोधित करते नरेन्द्र मोदी ने छत्रपति शिवाजी की भूमि को नमन कर धरती पुत्र बाबासहेब आंबेडकर को भी श्रध्दांजलि दी. **शेष पेज 2 पर**

संपादकीय

महाराष्ट्र में फिर मराठा आरक्षण की आग

महाराष्ट्र में एक बार फिर से आरक्षण को लेकर आग भड़क गई. इससे जहां जनता की सम्पत्ती का नुकसान हो रहा है, वहीं दूसरी ओर तनाव की स्थिति से निपटने के लिए पुलिस को भी काफी परेशानी हो रही है. मराठा आंदोलन चला रहे मनोज जरांगे पाटील द्वारा गृहमंत्रालय संभालने वाले उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस पर उनका एनकाउंटर करने का आरोप लगाने और फड़णवीस द्वारा मनोज जरांगे पाटील पर उद्धव ठाकरे और शरद पवार की भाषा बोलने का आरोप-प्रत्यारोप निश्चित तौर पर सुसंस्कृत महाराष्ट्र जैसे आदर्श राज्य के लिए निश्चित ही चिंता की बात है. मराठा आरक्षण को लेकर तीन दशकों से संघर्ष चल रहा है. लेकिन हैरत की बात है कि इसका स्थायी समाधान अभी तक नहीं हो पा रहा है. आरक्षण की आग भड़क गई है. एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि मराठा प्रदर्शनकारियों ने अंबाद तालुका के तीर्थपुरी शहर में छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर राज्य परिवहन की एक बस को आग लगा दी.नतीजतन, महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम ने पुलिस शिकायत दर्ज की है और अगली सूचना तक जालना में बस सेवाएं निलंबित कर दी हैं.वाशिम से मराठवाड़ा की एसटी बस सेवा बंद कर दी गई है. कहने का तात्पर्य अगर आरक्षण के लिए एक वर्ग द्वारा अन्यों को परेशान किया जा रहा है तो इसका भी समर्थन नहीं किया जा सकता है. राज्य सरकार को इस मामले का तत्काल समाधान करने का प्रयास करना चाहिए.

राज्य में पिछले कुछ दिनों से मराठा आरक्षण आंदोलन फिर जोर पकड़ रहा है. राज्य विधानसभा का विशेष सत्र लेकर 10 फीसदी आरक्षण को मंजूरी देने के बाद भी मामला क्यों नहीं सुलझ रहा है और लोगों को इसमें बंधक बनाने का कारण भी समझ से बाहर है. महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम ने अगली सूचना तक जालना में अपनी बसें रोक दी हैं. मराठा आंदोलनकारियों द्वारा एक बस को कथित तौर पर जलाए जाने के बाद अंबाद डिपो प्रबंधक द्वारा एक स्थानीय पुलिस स्टेशन में एक पुलिस शिकायत दर्ज की गई है. बता दें कि मराठा समुदाय कई सालों से मराठा आरक्षण के मुद्दे पर राज्य सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहा है.महाराष्ट्र विधान सभा ने फरवरी में पेश किए गए मराठा आरक्षण विधेयक को सर्वसम्मति से पारित कर दिया. जिसका उद्देश्य मराठों को 50 प्रतिशत की सीमा से ऊपर 10 प्रतिशत आरक्षण देना था. 20 फरवरी को विधानसभा में कोटा विधेयक पारित होने के बाद भी अपनी भूख हड़ताल बंद करने से इनकार करते हुए, मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे पाटिल ने मांग की कि एनडीए सरकार दो दिनों के भीतर सेज सोयरे अध्यादेश अधिसूचना को लागू करे, ऐसा न करने पर 24 फरवरी को राज्य में नए सिरे से आंदोलन शुरू किया गया है.उनकी मांग मंजूर करने के बाद सरकार का कहना है कि उनकी मांग पूरी करने के बाद भी वे विपक्षी इशारों पर सरकार को परेशान करने का प्रयास कर रहे हैं. मामले का शीघ्र समाधान होना चाहिए.

एहसासों को गजलों में पिरोया

विदर्भ स्वाभिमान
राय बताएं-9423426199/8855019189
www.vidarbhswabhiman.com

भारत ही नहीं तो बेहतरीन गजलों के मामले में पूरे विश्व में अपना स्थान रखने वाले पंकज उधास का सोमवार को देहांत हो गया. उनके निधन की खबर हर उस संगीत प्रेमी के लिए दुःख की खबर थी, जो उनकी एक से बढ़कर एहसास कराने वाली हर गीतों और गजलों का कायल था. महाविद्यालयीन जीवन से ही पद्मश्री पंकज उधार की गजलों को लेकर सदैव दिल में अपार सम्मान रहा है. संगीत के पुजारी के रूप में जहां वे समूचे देश में लोकप्रिय थे, वहीं सादगी, उनके स्वभाव की आत्मीयता बिना प्रभावित किए नहीं रहती है. पंकज उधास अमरावती में भी आकर गए थे. इसलिए शहरवासी उनकी गीतों और गजलों के अत्याधिक मुरीद हुए हैं. उनकी निधन की खबर ने सभी को चिंतित किया है. 72 वर्षी पंकज उधास का मुंबई में देहांत हो गया. उनकी चिट्ठी आयी है आयी है चिट्ठी आई है आज भी लाखों लोगों को सोचने के लिए विवश करती है. उनके इस गजल को सुनने वालों की संख्या ही पूरे विश्व में करोड़ों में होगी. जिंदगी की

वास्तविकता को जहां वे अपने गजलों में स्थान देते थे, वहीं दूसरी ओर आज जहां शालीनता, विनम्रता खत्म हो रही है, वहीं उनके जैसे चोटी के कलाकार की विनम्रता और आत्मीयता किसी को भी उनकी शख्सियत और आत्मीयता को सम्मान से देखने में सक्षम है. 17 मई 1951 में पंकज उधास का जन्म हुआ था. बचपन से ही उनमें संगीत को लेकर अपार रूझान था. उनकी गायकी का सफर 1972 से शुरू हुआ.1980 में उन्हें अलबम आहट से असली पहचान मिली और उसके बाद 1986 में फिल्म **नाम** के अपार लोकप्रिय गाने चिट्ठी आयी है आयी है चिट्ठी आयी है ने पंकज उधास को अपार लोकप्रियता की मंजिल तक पहुंचा दिया. जितने बेहतरीन गायक कलाकार थे, उतने ही बेहतरीन इन्सान थे. संगीत के क्षेत्र में उनकी उल्लेखनीय सेवाओं को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री का सम्मान जनक पुरस्कार देकर सम्मानित किया. जिएं तो जिएं कैसे वाली एहसासों की गजल सुनने के बाद किसी को भी जीवन की सच्चाई का पता चलता है. इतना ही नहीं तो पंकज उधास अपनी संगीत सेवा के लिए सदैव लोगों के दिलों में रहेंगे. विदर्भ स्वाभिमान महान गजल गायक पंकज उधास को विनम्र आदरांजलि अर्पित करता है.भारतीय संगीत क्षेत्र के लिए किसी कोहिनूर से कम नहीं थे.

खुद का दर्द भूल जनता का दर्द दूर करने वाली सांसद

सौ. नवनीत राणा विकास में भी रच रही इतिहास, करोड़ों के रोज भूमिपूजन

बिना किसी तरह की राजनीतिक विरासत के पति विधायक रवि राणा के सामाजिक कामों और अपने सामाजिक कामों से अमरावती की राजनीति में स्वयं का अस्तित्व तैयार करने वाली सांसद सौ.नवनीत राणा का का पैर में हेयर लाइन फेक्चर होने के बाद भी जिस तरह से जनता के दर्द को दूर करने के लिए अपना दर्द भूल कर विकास कामों के भूमिपूजन का सिलसिला शुरू किया हुआ है और हर तहसील में संतुलित विकास के लिए प्रयासरत हैं,इसकी जितनी सराहना की जाए काम है.जिले की संसद अति विशिष्ट व्यक्तियों में आती हैं लेकिन इसके बाद भी जिस तरह से नवनीत राणा ने सांसद बनने के बाद से लोगों से अपनापन और संपर्क बरकरार रखा है,उनकी सादगी के कारण महिलाएं उन्हें जिस तरह से दिल से चाहती हैं, यह भाग्य बहुत कम नेताओं को मिल पाता है. एक पैर फ्रेक्चर होने के बाद भी दर्द सहकर भी लोगों की दर्द की अधिक चिंता करने वाली सांसद नवनीत राणा ने विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए कहा कि लोगों

को यह नौटंकी लगती है.यही कारण है कि कई लोगों ने डॉक्टर से फोन कर यह तसल्ली करने का प्रयास किया कि सचमुच नवनीत राणा का पैर फ्रेक्चर हुआ है या नहीं.सच्चाई कभी छिपती नहीं है. नवनीत राणा के मुताबिक जनता ही उनकी गॉडफादर है यही कारण है कि वे जनता के लिए कुछ भी करेगा के तर्ज पर सदैव काम करने का प्रयास करती हैं.संसद में गरीबों,किसानों के साथीदिन दलित और पीड़ितों की आवाज जहां उठाती हैं वहीं दूसरी ओर विकास के मामले में भी अमरावती को सदैव आगे रखने का प्रयास करती हैं.पैर में फ्रेक्चर होने के बाद चलते समय कितना दर्द होता है इसका एहसास वही व्यक्ति कर सकता है जो इस तरह के हालात से गुजरा हुआ हो.सांसद नवनीत राणाकी सादगी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सामूहिक हल्दी कुमकुम कार्यक्रम में उनकी सादगी उपस्थित महिलाओं को प्रभावित करती है. बेलोरा हवाई अड्डे की समीक्षा बैठक और उड़ान के ही दावे किए जा रहे थे. शीघ्र ही यहां से विमान की लैंडिंग उनकी कर्मठता का ही परिचायक माना जाएगा.

विदर्भ स्वाभिमान
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com,www.vidarbhswabhiman.com

भक्ति के साथ अध्यात्म,संस्कारों की जननी हैं मां

पूज्य मां कनकेश्वरी देवी के अवतरण दिन पर विशेष, अपार भक्तिभाव, सेवाभाव के साथ भक्त वत्सलता की हैं प्रतीक

क़हते हैं कि जहां धर्म होता है, वहीं विजय होती है, जहां सदाचार होता है, वहीं आदर्श संस्कार होता है, जहां भाव होता है, वहीं देव होता है. इन तीनों ही स्थितियों की त्रिवेणी संगम के रूप में महामंडलेश्वर और आधुनिक भारत की मीरा के रूप में न केवल भारत बल्कि समूचे विश्व में सम्मान प्राप्त करने वाली पूज्य मां कनकेश्वरी हैं. मां ने धर्म को जहां अपने कार्यों से गौरवान्वित किया है, वहीं दूसरी ओर इसे अध्यात्मक, संस्कारों को बढ़ावा देने का माध्यम बनाया है. मां का 2 मार्च को अवतरण दिवस है, इस उपलक्ष्य में धर्म, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले लोकप्रिय राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक विदर्भ स्वाभिमान की ओर से चरणों में नमन.

अमरावती का काफी दिल का गहरा नाता मां का है.यहां उनके हजारों की संख्या में भक्त हैं. मां जहां धार्मिकता को समाजसेवा और राष्ट्र सेवा का माध्यम मानती हैं, वहीं उनकी कथाओं में भी मानवता की सेवा, धर्म की सेवा और गौसेवा को किस तरह से करना पुण्यदायी है, इसका बेहतरीन उदाहरणों के माध्यम से समझाने का प्रयास करते हैं. प्रभु की कृपा उन पर अपार है, यही कारण है कि लाग-लपेट से कोसों दूर रहती हैं. पूरा जीवन ही

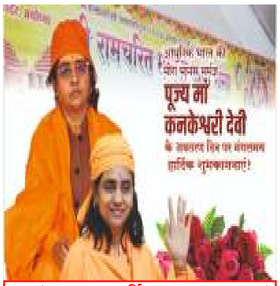

मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं

प्रभु सेवा और मानव सेवा में समर्पित कर दिया है. पिछले साल 2023 में पूज्य कनकेश्वरी देवी की श्रीराम कथा बडनेरा में हुई थी. कथा को जबर्दस्त प्रतिसाद मिला था. इस दौरान उनका मुकाम मां के भक्त समाजसेवी के यहां था. कथा के दौरान जहां वे धार्मिक ग्रंथों के विभिन्न प्रसंगों को बताती हैं, वहीं दूसरी ओर मानवता के धर्म को सर्वो च्च मानते हुए मानवता की सेवा करने की सीख देती हैं. बडनेरा में आधुनिक भारत की मीरा मां कनकेश्वरी देवी की कथा का रसपान कर अमरावती शहर ही नहीं तो पूरा जिला निहाल हो गया था. यहां हुई कथा में भाविकों की संख्या लगातार बढ़ती ही गई. यह सौभाग्य की बात है कि अमरावतीवासियों को कथा का सौभाग्य प्राप्त हुआ है. यह भी कम गर्व की बात नहीं है कि मां के आशिर्वाद का जिले की सांसद सौ. नवनीत राणा, पूर्व सांसद अनंतराव गुढ़े सहित जहां पूर्व मंत्री हर्षवर्धन देशमुख ने उठाया था, वहीं दूसरी ओर कथा को लेकर अपार उत्साह बडनेरावासियों के साथ ही जिले के भक्तों में था. मां धीर-गंभीर लेकिन स्पष्ट हैं. उन्हें कोई बात स्पष्टता के साथ कहने में गुरेज नहीं रहता है. उनके भक्त आज देशभर में हैं और उनकी व्यस्तता भी सदैव रहती है लेकिन प्रभु की ही इसे कृपा कहना होगा कि उनके चेहरे पर सदैव मुस्कान रहती है, जो अन्यों को प्रेरणा देती है. 2 मार्च को मां के अवतरण दिन पर मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. आप स्वस्थ रहें.हम सभी पर आशिर्वाद रहे, यही कामना.

सुदर्शन गांग, बडनेरा

संस्कारों की नींव मजबूत करना चाहिए-शिव गुरू शर्मा

पेज 8 से जारी-वन को खुशी और दुःख देने का काम

हमारे संस्कार ही करते हैं. जिन दिन प्रभु श्रीराम के आदर्श आचरण उनके मर्यादा को हम सभी समझ जोंगे उस दिन देश में रामराज्य स्थापित हो जाएगा .यह बात मानव सभ्दावना ट्रस्ट के प्रमुख और जाने-माने कथाकार पंडित शिव गुरुजी शर्मा ने किया. अमरावती में गांधी चौक में संतश्री गजानन महाराज प्रकटोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित श्रीराम कथा के लिए आए पं.शिव गुरूजी ने कहा कि गुरुकुल की शिक्षा प्रणाली बेहतरीन थी जो इंसान को सबसे पहले इंसान बनाती थी,नाते -रिश्तों की अहमियत बताती थी.उनके मुताबिक बचपन में आज संस्कार के अभाव में बच्चों में माता-पिता के प्रति आत्मीयता तेजी से कम हो रही है. यही कारण है कि वे पढ़कर बड़े होने के बाद माता-पिता से दिली लगाव नहीं रख पाते हैं. अच्छे इन्सान बनाने का काम संस्कार करते हैं. जब हमारे संस्कार मजबूत रहेंगे तो किसी माता-पिता पर वृद्धाश्रम जाने की नौबत नहीं आएगी. इसलिए पहले बच्चों को अच्छा इन्सान बनाने का प्रयास करना चाहिए. वे कहते हैं कि संस्कारों का ताना-बाना बिगड़ने के कारण समस्याएं गंभीर हो रही हैं. माता-पिता की मौत पर नहीं पहुंचने जैसी बढ़ती प्रवृत्ति को उन्होंने दुःखद बताया लेकिन इसका कारण भी उन्होंने माता-पिता की गलती को बताया. गौसेवा के लिए जीवन समर्पित करने वाले पूज्य शिव गुरू शर्मा द्वारा संचालित गौशाला में 250 घायल गौमाता की सेवा की जा रही है.

शहर के सुख्यात युवा व्यवसायी एवं होटल रामगिरी इंटरनेशनल के संचालक, हमारे प्रिय मित्र तथा सामाजिक, जेसीस के कामों में अग्रणी

सुनीलभाऊ जयस्वाल

को जन्मदिन की हार्दिक

शुभकामनाएं.

वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु चरणों में यही कामना,
जन्मदिन पर मंगलमय शुभकामनाएं.

शुभेच्छुक

होटल रामगिरी इंटरनेशनल, वीएसएम होटल के सभी कर्मचारी तथा सहयोगी, विदर्भ स्वाभिमान परिवार तथा असंख्य मित्र परिवार, अमरावती.

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अच्छा करते रहें, अच्छा होगा

ज़ीवन में जो लोग निःस्वार्थ भाव से सदैव किसी का भी अच्छा करने का प्रयास करते हैं, उनके जीवन में प्रभु कभी बुरा नहीं होने देते हैं. इसके लिए स्वयं का मन निर्मल होना जरूरी होता है. प्रभु को निर्मल लोग पसंद हैं. ऐसे में पहले अपने मन को निर्मल बनाईए, प्रभु आपकी हर बात को सुनने के लिए तैयार रहते हैं. लेकिन स्वार्थी हम होते हैं जो निर्मल हो नहीं पाते हैं और प्रभु से सब कुछ अच्छा करने की उम्मीद करते हैं. ज़ीवन में आप जिसके भी साथ हैं दिल से रहें. इतना ही नहीं तो हमें यह भी ध्यान देना चाहिए, जो हम बांटेंगे, वहीं हमें मिलने वाला है. आज संस्कारों की नींव इतनी कमजोर हो रही है, आत्मीयता इतनी घट रही है कि रिश्तों को भी स्वार्थ के तराजू में तौला जाने लगा है. यह बात दीगर है कि रिश्तों को समझने वालों की संख्या घट रही है. यह जरूरी है कि हम रिश्तों की अहमियत को समझें.

विदर्भ स्वाभिमान

माता-पिता हमारे जीवन की ऐसी एटीएम होते हैं जिनका प्रेम, आत्मीयता और अपनापन कभी भी खत्म नहीं होता है. उनके जैसा त्यागी हो ही नहीं सकता है. ऐसे में वे जब तक जिंदा हैं, उनकी सेवा करने के लिए समर्पित रहें. महिलाएं ही जब मां को समझ लेंगी तो कभी किसी माता-पिता को तकलीफ नहीं होगी.

जरूरी नम्बर टोल फ्री

विद्युत सेवा	*1912*
पुलिस सेवा	*112*
अग्नि सेवा	*101*
एम्बुलेंस सेवा	*102*
यातायात पुलिस	*103*
आपदा प्रबंधन	*108*
चाइल्ड लाइन	*1098*
रेलवे पूछताछ	*139*
भ्रष्टाचार विरोधी	*1031*
रेल दुर्घटना	*1072*
सड़क दुर्घटना	*1073*
सीएम सहायता लाइन	*1076*
क्राइम सहायता	*1090*
महिला सहायता लाइन	*1091*
पृथ्वी भूकम्प	*1092*
बाल शोषण सहायता	*1098*
किसान काल सेन्टर	*1551*
नागरिक काल सेन्टर	*155300*
ब्लड बैंक	*9480044444*

मानवता,गरीब सेवा को समर्पित हैं डॉ. पंकज घुंडियाल

जन्मदिन २ मार्च पर विशेष : विश्वस्तरीय जीआरडीसी के संचालक हैं बहुगुणी व्यक्तित्व, बेहतरीन क्रिकेट खिलाड़ी भी

अमरावती- जिले के वैद्यकीय इतिहास में कुछ ही ऐसे लोग हैं, जिन्होंने अपने कार्यों से न केवल अपने परिवार बल्कि शहर का नाम भी राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है. राष्ट्रीय स्तर के सेमिनारों में सम्मान प्राप्त तथा अमरावती जैसे शहर को भी विश्वस्तरीय स्वास्थ्य जांच सुविधाओं से सुसज्जीत करते हुए मरीजों के लिए वरदान साबित होने वाले घुंडियाल रेडियो डायग्नोस्टिक सेंटर के संचालक डॉ. पंकज घुंडियाल का 2 मार्च को जन्मदिन है.

वे जितने बेहतरीन डाक्टर हैं, उससे भी बेहतरीन वे रिश्तों को गंभीरता से निभाने वाले व्यक्ति हैं. जितने अच्छे कमेंटेटर हैं, इतने ही अच्छे क्रिकेटर हैं. आज के तनावपूर्ण जीवन में किसी को खुशियां देना कठिन काम होता है लेकिन वे अपने सामाजिक उपक्रमों तथा कार्यों को मानवता की सेवा करने का सदैव प्रयास करते हैं. बहुगुणी व्यक्ति होने के बाद भी किसी तरह का घमंड नहीं है. वे कहते हैं कि शहर ने उन्हें अपार प्यार दिया है, यही कारण है कि जीवन में उन्होंने धन-दौलत की बजाय अपने शहर की सेवा करने का फैसला लिया और जीआरडीसी को विश्वस्तरीय डायग्नोस्टिक केन्द्र बनाने के लिए लगातार प्रयास किया है. यह लोगों के प्यार का ही परिणाम है कि यह केन्द्र आज राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं से लैस होकर मरीजों को अचूक जांच सेवा दे रहा है.

जीआरडीसी ने जहां अमरावती का नाम वैद्यकीय क्षेत्र में चमकाया है, वहीं गरीबों की मदद करने वाला और कोई भी गरीब मरीज पैसे के लिए जांच के बगैर नहीं लौटने को डॉ. पंकज घुंडियाल अपना गौरव मानते हैं. उनके मुताबिक अमरावती ही नहीं तो समूचे विदर्भ से मरीज यहां आते हैं. अचूक जांच ही केन्द्र की सबसे बड़ी खूबी है. पिछले 21 साल से मरीजों की सेवा के साथ ही सभी सहयोगियों, हितचिंतकों के प्रति कृतज्ञता जताना वे नहीं भूलते हैं. उनके मुताबिक सकारात्मक सोच के साथ किया गया कोई भी काम असफल नहीं होने की उनके पिता स्व. गुरूमुखदास घुंडियाल की सीख ही उनके जीवन में काम आयी है.

आज पैसे के लिए कुछ भी करने की सोच वाले दौर में भी नैतिकता का हर हाल में पालन करने वाले तथा संगठन की नैतिक कमिटी के पूर्व चेयरमैन डॉ. पंकज घुंडियाल जिले के पहले ऐसे डाक्टर हैं, जिन्हें राष्ट्रीय स्तर पर सेमिनार, संगोष्ठी तथा कार्यशालाओं में बुलाया जाता है. इतना ही नहीं तो क्षेत्र के अनगिनत पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है. इसे माता-पिता का आशिर्वाद और चहेतों की वेल विशेष बताते हुए जीवन के आखिरी दम तक जितना संभव हो सके, लोगों के लिए करने की बात कही.

अमरावती को किया गौरवान्वित

डॉ. पंकज घुंडियाल जहां वैद्यकीय क्षेत्र में स्वयं को सदैव अपडेट रखते हैं, वहीं दूसरी ओर राष्ट्रीय स्तर के सेमिनारों में भी उन्हें सम्मान के साथ बुलाया जाता है. इससे समय के साथ अपडेट रहने का मौका मिलता है. राष्ट्रीय स्तर के अनगिनत सेमिनारों में आमंत्रित होने वाले वे पहले रेडियोडायग्नोस्टिक विशेषज्ञ हैं. उनके मुताबिक अमरावती का गौरव उन्हें लिए अत्याधिक मायने रखता है.

विश्वस्तरीय एक से बढ़कर एक मशीनों से यहां मरीजों की जांच होती है. इसके साथ ही गरीब और जरूरतमंदों को यथासंभव समुचित मार्गदर्शन और सहयोग देने का काम किया जाता है.

दुसरी और केंद्र में गरीब एवं जरुरतमंद मरीजों को सुबह 8-10 और शाम में भी 8-10 बजे विशेष रियायत देने वाला पहला केन्द्र है. यही कारण है कि अपार विश्वास के साथ ही मरीजों की भीड़ सदैव यहां रहती है. डॉ. पंकज घुंडियाल ने कहा कि केंद्र में नैतिकता, गरीब एवं जरुरतमंद मरीजों की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है. न केवल अमरावती बल्कि विदर्भ तथा राज्यस्तर पर घुंडियाल रेडियो डायग्नोस्टिक सेंटर ने अपना महत्वपूर्ण स्थान बनाया है.

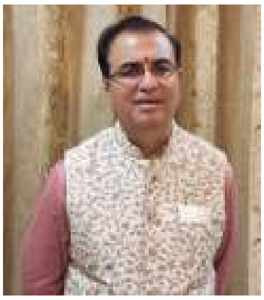

विदर्भ स्वाभिमान

सेवा के 22 साल में मरीजों का अपार प्यार और विश्वास हासिल करने को अपने लिए सबसे बड़ी दौलत बताते हुए वे कहते हैं कि संघर्ष के दिनों से लेकर स्वयं के अस्तित्व तक का सफर काफी चुनौती पूर्ण रहा है लेकिन सदैव प्रभु का साथ, मरीजों का विश्वास मिलने से यह कम होता गया. डॉ. घुंडियाल का कहना है कि जीवन में अमरावती की माटी ने बहुत कुछ दिया है. यही कारण है कि पैसों के पीछे भागने की बजाय अमरावती जिले की सेवा के व्रत को साकार किया. संघर्षो से जूझते हुए डॉ. घुंडियाल ने जहां स्वयं का स्थान बनाया, वहीं केन्द्र को विश्वस्तरीय बनाकर अमरावती का नाम रोशन किया है. महाराष्ट्र ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय एवं विश्वस्तरीय आधुनिकतम वैद्यकीय जांच मशीनों से लैस घुंडियाल रेडियो डायग्नोस्टिक सेंटर (जीआरडीसी) का घोष वाक्य ही- हम करते है परफेक्ट डायग्नोसिस इसलिए मरीजों पर समुचित दिशा में उत्तम इलाज (व्ही सर्व यु द परफेक्ट डायग्नोसिस, सो यु ट्रीट युअर पेशेंट द बेस्ट). इसी घोषवाक्य को उद्देश्य मानकर मरीजों की बेहतरी के लिए स्थापना से लेकर अभी तक प्रयास किया जाता रहा है. काम्प्रेहेंसिव एन्ड एडवान्स द रेडियो डायग्नोसिस विथ कम्प्लीट केअर के तहत जांच की सभी सुविधाएं यहां एक ही छत के नीचे मिलने की जानकारी भी डा. पंकज घुंडियाल ने दी.उनके मुताबिक वर्ष 2002 से मरीजों की सेवा में लगा यह केंद्र आज जिले के डाक्टरों के साथ ही मरीजों के विश्वास का केंद्र बन गया है.

गरीबों की दुवाओं को मानते हैं बड़ी ताकत

नैतिकता, सच्चाई और ईमानदारी को जीवन की सबसे बड़ी ताकत मानने वाले डॉ. घुंडियाल का कहना है कि गरीबों की दुवाएं सदैव असर दिखाती हैं. माता-पिता की खुशी और उनका आशीर्वाद और चहेतों का अपार प्रेम और विश्वास उनकी सबसे बड़ी ताकत है. इसके चलते वे सदैव कुछ हटकर करने का प्रयास करते हैं. सेवा के मामले में विधायक बच्चू कडू का उदाहरण देते हुए कहते हैं कि दिल से की गई कोई भी सेवा असर दिखाती हैं. दो साल से उन्हों ने सुबह 8-10 बजे तथा रात में भी 8-10 बजे तक जांच कराने वाले गरीब मरीजों को रियायत देना शुरू किया है, लोगों में संतोष है. इससे स्वयं को भी खुशी और संतोष होने की बात डॉ. पंकज घुंडियाल कहते हैं. शहरवासियों के प्रेम के प्रति कृतज्ञता जताते हैं.

बहुगुणी कलाकार हैं

डॉ. पंकज घुंडियाल बेहतरीन डाक्टर के साथ ही अभिनय, क्रिकेट के शौकीन हैं. कमेंटर के रूप में उनकी अदा सभी डाक्टरों को भाती है. इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की वार्षिक स्नेह सम्मेलन के दौरान इसका दर्शन किया जा सकता है. वे कहते हैं कि जीवन छोटा है, जितना हो सके, हंसते रहें, हंसाते रहें. जीवन खुशियों से भरा रहे और आपके सानिध्य में आने वाले व्यक्ति को भी खुशियां देने का प्रयास करें तो यह सदैव बढ़कर ही लौटेगी.

आधुनिकतम मशीनें हैं

केन्द्र में मानवता की सेवा के साथ ही समय के साथ चलने वाले वे एकमात्र डाक्टर हैं, जिनके यहां न्यू ब्रेन्ड वाली जानी मानी जांच मशीनें मरीजों की अचूक जांच करती हैं. हर प्रकार की जांच करने में सक्षम एवं जर्मनी द्वारा निर्मित सायमन्स हाईली एडवांस सायलेंट 1.5 टेस्ला 96 चैनल मैगनेटम सेंप्रा एमआरआय मशीन्स इस केंद्र में आई है. यह मशीन समूचे भारत में पहली बार यहीं पर आई थी. इस अकेली मशीन में हर प्रकार की शारीरिक जांच करने की एक्युरेट क्षमता है. इसके चलते यह मशीन न केवल केंद्र बल्कि अमरावती जिले ही नहीं तो विदर्भ के लिए वैद्यकीय क्षेत्र की क्रांति कहीं जाए तो गलत नहीं होगा. आधुनिकतम वैद्यकीय जांच सुविधाओं से लैस इस मशीन से जांच कुछ ही मिनट में हो जाती है. इसमें न्युरोशुट, एन्जीओशुट, आर्थोशुट, बॉडीशुट, ओंकोशुट, कार्डियाकशूट, पीडीयाट्रीक शूट, क्वाईट शूट जैसी आधुनिकतम सुविधा के माध्यम से मरीजों की सटीक जांच की क्षमता एवं व्यवस्था है. गंभीर किस्म के मरीजों की सहजता से जांच, उच्चतम सुविधाजनक तथा 97 प्रतिशत रिडक्शन इन साऊंड प्रेशर एडजस्टेबल सिटींग टेबल, मरीजों को आरामदायक अनुभव के साथ अल्ट्रा लाईट वेट एंड प्लैझीबल टिम फोर जी व्हाईल्स के साथ ही अत्यल्प समय में कठीन से कठीन जांच जैसी खूबियों वाली इस मशीन को अमरावती में लाकर डॉ. पंकज घुंडियाल ने न केवल क्रांति की है बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर वैद्यकीय क्षेत्र में अमरावती के साथ ही संभाग का गौरव बढ़ाने का काम किया है. ऐसे बहुगुणी डॉ. पंकज घुंडियाल को जन्मदिन 2 मार्च पर मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं, वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु चरणों में यही कामना.

राजेन्द्र सिंघई,
अमरावती.

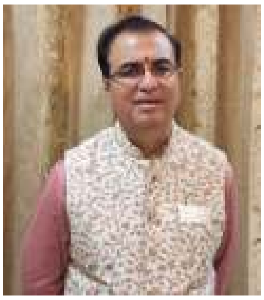

डॉ. पंकज गुरुमुखदास घुंडियाल

संचालक-घुंडियाल रेडियो डायग्नोस्टिक सेंटर, अमरावती.

शुभेच्छुक - जीआरडीसी के सभी कर्मचारी, सहयोगी और मित्र परिवार.

राष्ट्रप्रेम होना चाहिए हर भारतीय का पहला फर्ज,तब राष्ट्र बढ़ेगा

प्रतिनिधि, 28 फ़रवरी

अमरावती - जिस देश ने हमें मान,सम्मान, सुरक्षा के साथ जीवन जीने और जीवन में आसमानी बुलंदी प्राप्त करने । मौका दिया है, उस देश की मिट्टी से कोई कभी कर्जमुक्त नहीं हो सकता है. जिम्मेदार नागरिक बनकर हमसे जितना बन सके, हमें राष्ट्र की सेवा करने का प्रयास करना चाहिए. जापान आज इस लिए सबसे आगे है, क्यों कि इस देश में राष्ट्र प्रेम सबसे बड़ी ताकत होती है. भारत में जिस दिन 140 करोड़ भारतीयों के लिए देश प्रथम होगा, उस दिन देश की तरक्की को दुनिया की कोई ताकत नहीं रोक सकती है. राष्ट्र प्रेम से बड़ा धर्म नहीं हो सकता है. यह कहना है कि राष्ट्रभावना से ओतप्रोत रहने वाले होटल रामगिरी इंटरनेशनल के संचालक और समाजसेवी सुनील जयस्वाल ने. उनके मुताबिक राष्ट्र की सेवा का दायित्व हर उस व्यक्तिका होता है, जो हर हाल में खुश है. राष्ट्र भक्ति के साथ मानवता की सेवा से बड़ी सेवा नहीं हो सकती है. जीवन प्रभु से मिला उपहार है, लेकिन इसका हम किस तरह उपयोग करते हैं, इस पर बहुत कुछ निर्भर है. जितना संभव हो सके, उतना अच्छा करने की कोशिश करते रहना चाहिए.

जिले में उद्योग,व्यवसाय को अपार संभावना है. यही कारण है

जन्मदिन की शुभकामनाएं

कि यहां पर उद्योगों, व्यवसायों को बढ़ावा देने की दिशा क्में अगर प्रयास किया जाए तो शहर के साथ ही जिले का विकास भी तेज होगा. रोजगार के व्यापक मौके मिलेंगे. यह कहना है शहर के सुख्यात उद्यमी, समाजसेवी एवं धार्मिक कामों में भी अग्रणी रहने वाले व्यक्तित्व सुनील जयस्वाल का. उनके मुताबिक जीवन में जितना संभव हो सके, नेक काम करने का प्रयास करना चाहिए. इससे बड़ा पुण्य दूसरा नहीं हो सकता है. उनके नेतृत्व वाले होटल रामगिरी इंटरनेशनल होटल ग्रुप द्वारा जहां कामयाबी का इतिहास रचा जा रहा है, वहीं दूसरी ओर आज होटल व्यवसाय ही नहीं बल्कि रेस्टांरट, आमंत्रण मिठाईयों के साथ ही भानखेड़ा में मंदिर संस्थान से भी जयस्वाल परिवार जुड़ा है. बेहतरीन खेती की संभावना को तलाशने के साथ ही अन्य किसानों के लिए यह संदेश भी दिया कि अगर करने की चाहत हो, सही नियोजन हो तो खेती भी फायदे का ही सौदा साबित होती है. मिलनसार स्वभाव के धनी सुनील जयस्वाल जितने बेहतरीन व्यवसायी हैं, उतने ही अच्छे इंसान हैं. सम्पन्नता में भी सादगी, विनम्रता उनकी खूबी है. यही कारण है कि बोलने में कम, करने में अधिक विश्वास रखने वाले सुनील जयस्वाल ने हजारों मित्र परिवार तैयार किए हैं. नेक कामों क्में पत्नी प्रीति जयस्वाल, परिवार का साथ मिलता है. अच्छे कामों, मानवता की सेवा के साथ ही जेसीस के माध्यम से भी समाजसेवा, व्यक्तित्व विकास में लगे रहते हैं. वे कहते हैं कि मोदी सरकार द्वारा राष्ट्र के अभिमान को जागृत करने का जो काम किया गया है, वह सराहनीय है. देश को सबसे अधिक महत्व देने वाले सुनील जयस्वाल राष्ट्रीयता की भावना से ओतप्रोत रहते हैं. उनका कहना है कि भारत में जन्म लेना भी पुण्य से कम नहीं है. इसलिए जितना संभव हो सके, हमें देश सेवा को लेकर सदैव सक्रिय रहना चाहिए. उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं.आप स्वस्थ रहें, मस्त रहें, यही कामना करते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान, डेस्क

संस्कारों की नींव मजबूत हुई तो सभी समस्याओं का निराकरण होगा-चंद्रकुमार जाजोदिया

विदर्भ स्वाभिमान, 27 फरवरी

अमरावती- भारत में तमाम संभावनाएं हैं और विश्व की सबसे अधिक युवा भारत में ही हैं. केवल कुछ कारणों से यह भटकने, व्यसन के अधीन होने के कारण ही दिक्कत पैदा हुई है. वर्ना भारत की युवा पीढ़ी में जग बदलने की ताकत है. बचपन से ही अगर हम संस्कारों पर ध्यान दें और संस्कार रूपी नींव को मजबूत करने का प्रयास करें तो निश्चित तौर पर भारत दुनिया में सबसे आगे हो, इसमें किसी को संदेह नहीं होना चाहिए. इस आशय का मत सुख्यात समाजसेवी और धार्मिक कामों में सदैव अग्रणी रहने वाले योगदान देने वाले चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया ने किया. उनके मुताबिक माता-पिता को बच्चों को डाक्टर, इंजीनियर बनाने का प्रयास करना चाहिए लेकिन इससे भी पहले उन्हें आदर्श संस्कारित पीढ़ी, आदर्श इन्सान और संवेदनशील व्यक्ति बनाने का प्रयास करना चाहिए.

अभी तक 45 भागवत और रामकथाएं

बोलने में कम और करने में अधिक विश्वास रखने वाले लप्पीभैया ने युवाओं को व्यसन से मुक्त कराने और भारतीय संस्कारों को बढ़ावा देने के प्रयास के तहत राज्यस्तर पर 108 कथाओं का संकल्प लिया है. उसमें से अभी तक 45 कथाएं हो गई हैं. जिस गांव में भी कथा होती है, कथा प्रवक्ता व्यसनों के साथ ही मानवीय दुर्गुणों पर मार्गदर्शन करते हुए युवाओं को इससे परावृत्ति होने का संदेश देते हैं. उनके संदेश के कारण युवक इसमें व्यसन से तौबा करने का संकल्प ले रहे हैं. विदर्भ स्वाभिमान के साथ बातचीत करते हुए अभी तक कई दर्जन प्रदेश तथा राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार प्राप्त करने वाले लप्पीभैया ने बताया कि उनके परिवार में सदैव सामाजिक, धार्मिक के साथ ही राष्ट्र के प्रति यथासंभव योगदान देने का योगदान दिया है. वे कहते हैं कि सकारात्मक सोच से जीवन संवारने में मदद मिलती है. क़था सुनने के लिए युवाओं की भारी भीड़ उमड़ी है. वे कहते हैं कि आज सबसे अधिक जरूरत संस्कारों को बढ़ावा देने की है. यही हमें तार सकता है.

खुशियों के हर प्रकार के रंग

उपाध्याय ड्रायफ्रूटस एन्ड फुड के संग

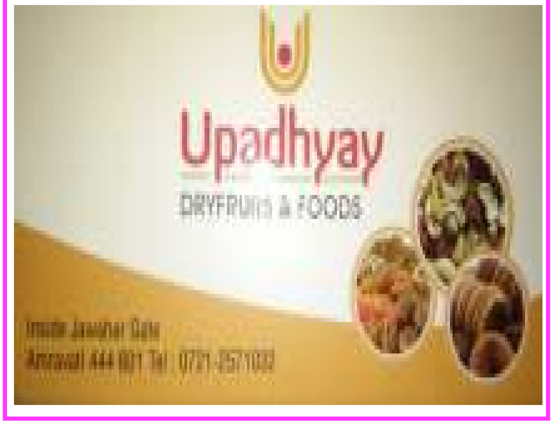

संवाददाता चाहिए

अमरावती ही नहीं तो समूचे संभाग में आचार-विचार-आदर्श संस्कारों को बढ़ावा देने वाले हिंदी साप्ताहिक के रूप में पाठकों का प्यार पाने वाले विदर्भ स्वाभिमान को जिले की अचलपुर, चिखलदरा, चांदुर बाजार,वरूड़ में संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. सामाजिक दायित्व को महत्व देने वाले इच्छुक युवक-युवतियां संपर्क कर सकते हैं. आवेदन के साथ पासपोर्ट फोटो जरूरी है. इच्छुक अपना आवेदन हमें इस पते पर भेज सकते हैं. प्राप्त आवेदनों की जांच करने के बाद फैसला लिया जाएगा. सामाजिक सरोकार रखने वाले ही संपर्क करें.

हमारा पता

विदर्भ स्वाभिमान अखबार

छाया कॉलोनी, अकोली रोड, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, अमरावती.

मो. 9423426199/8208407139

ठोस आश्वासन पर पूर्व सैनिकों का अनशन खत्म

दर्यापुर- विभिन्न समस्याओं को लेकर अनशन पर बैठे पूर्व सैनिकों की सैनिक कॉलोनी की समस्या के निराकरण का आश्वासन प्रशासन द्वारा देने के बाद अनशन खत्म किया. इससे बड़ी राहत पूर्व सैनिकों ने ली है. सैनिक कॉलोनी निवासी रास्ते और नाली की समस्या से त्रस्त हो गये थे. कई बार गुहार लगाने के बाद भी समाधान नहीं होने पर अनशन शुरू किया था. विधायक बलवंत वानखडे, नगर पालिका मुख्याधिकारी द्वारा समस्या का निराकरण का आश्वासन देने के बाद इसे खत्म किया.

नगरपालिका की उदासनीता को लेकर क्षेत्रनिवासी पूर्व सैनिकों में तीव्र असंतोष व्याप्त है. समस्या के निवारण की मांग को लेकर पूर्व सैनिकों ने सोमवार 26 फरवरी से नगरपालिका के सामने बेमियादी अनशन आरंभ कर दिया है. प्रशासन की उदासनीता को लेकर अन्य क्षेत्र के नागरिकों में भी तीव्र असंतोष है. सैनिक कॉलोनी में लंबे समय से रास्ते और नाली की समस्या से निवासी त्रस्त हैं. कई बार इसके लिए नगरपालिका प्रशासन को ज्ञापन देकर अवगत कराया.प्रशासन ने निंबू पिलाकर अनशन तुड़वाया. विकास पर नजरें लगी हैं.

हर घर में हो यह किताब

माता-पिता की उपेक्षा करने वाले घर में कभी शांति, सम्पन्नता नहीं रह सकती है. यदि रही भी तो आत्मिक सुकून बिल्कुल नहीं रहता है. आदर्श विचार जीवन में खुशी का केन्द्र रहते हैं. ऐसे में माता-पिता की सेवा के महत्व, उससे होने वाले चमत्कार, माता-पिता की सेवा नहीं करने के परिणाम को दिखाने का प्रयास इस किताब में किया गया है. बच्चों में बेहतरीन संस्कार के लिए यह जरूरी है.संस्कार का जीवन में कितना महत्व है, इस पर किताब में प्रकाश डाला गया है. प्राप्ती के लिए संपर्क करें. कीमत केवल 125 रूपए. जिस घर में माता-पिता हंसते हैं, भगवान वहीं पर बसते हैं.आजमाकर देखें.

मो. 9423426199/8855019189

जिले में गहरा सकता है कुछ तहसीलों में जलसंकट

अमरावती- जिले क़ी कुछ तहसीलों में जलसंकट गहराने की संभावना जताई जा रही है. इसके चलते प्रशासन द्वारा अभी से उपाय योजना की जा रही है. जलसंकट की समस्या के कारण कई तहसीलों में अभी से पानी के लिए लोगों को भटकना पड़ रहा है. चिखलदरा के कुछ इलाकों में जलसंकट अधिक तकलीफ देने लगा है. इस बार गर्मी की तीव्रता के साथ ही जलसंकट की समस्या भी गंभीर रहने की संभावना जताई जा रही है.

जलकिल्लत फरवरी से ही शुरू हो चुकी है. चिखलदरा तहसील के आकी गांव में 15 फरवरी को ही टैंकर से जलापूर्ति शुरू करने की मांग की गई थी और इसी तहसील के अन्य सात गांव सूखे की दहलीज पर बताए जा रहे थे . इनमें से बेला गांव में भी शनिवार को टैंकर की मांग की गई . लेकिन दोनों गांवों में टैंकर की मांग के प्रस्ताव को संबंधित उपविभागीय अधिकारी कार्यालय ने अभी मंजूर नहीं किया है. जिससे इन दोनों गांवं के लोग पानी के लिए भटक रहे हैं. वहीं दूसरी ओर लगभग दो सप्ताह पहले जिला प्रशासन ने चिखलदरा तहसील में सात जगह पर कुएं अधिग्रहण का काम पूर्ण किया है. इस बार ौसत से 25 प्रतिशत कम बारिश होने से जलकिल्लत की तीव्रता बढ़ने की आशंका कुछ माह पहले ही व्यक्त की जा रही थी. जलापूर्ति विभाग की ओर से इस बार 21 करोड़ 18 लाख के संभवित जलकिल्लत निर्मूलन कृति प्ररूप तैयार किया गया है. जिसे जिला प्रशासन ने मंजूरी प्रदान की है.जिले के 376 गांव जलसंकट की छाया में है. जिसमें चिखलदरा तहसील के 120 गांवों का समावेश है. हालाकि प्रशासन ने 30 गांवों में टैंकर का नियोजन करने का दावा किया है. किंतु पिछले 10 दिनों से आकी गांव में टैंकर से जलापूर्ति की मांग का प्रस्ताव और शनिवार को बेला गांव में जलापूर्ति की मांग का संबंधित ग्राम पंचायत व्दारा भेजा गया प्रस्ताव पंचायत समिति कार्यालय में पड़ा हुआ है.

गुरूवार 2 नवंबर से 9 नवंबर 2023

मेष

इस राशि के लोगों के लिए नया साल आशा आकांक्षाओं को प्रफुल्लीत करने वाला साबित होगा. माता-पिता का आशिर्वाद असंभव को भी संभव करा सकता है.

वृषभ

घर और कार्यालय के बीच तालमेल बिठाना जरूरी होगा. किसी से विवाद नहीं करना ही इस समय श्रेयस्कर है.

मिथुन

अपनों से प्रेम ही आपकी प्रगति का माध्यम बन सकता है. यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का फायदा मिलने वाला है.

कर्क

आय देखकर व्यय करने से ही कई समस्याओं का समाधान हो सकता है. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है.

सिंह

सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.

कन्या

विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा. क्रोध से बचना आपके लिए लाभदायी होगा.

तुला

नई योजनाओं, स्पर्धा परीक्षा तथा नए व्यवसाय में कामयाबी मिल सकती है. भावी योजनाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे.

वृश्चिक

दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है. प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु

गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर

घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें.

कुंभ

नए साल में प्रगति का योग है. अपनों का साथ मिलना श्रेयस्कर रहेगा. समय का महत्व समझें.

मीन

दौड़धूप कर रास्ते में आने वाली मुश्किलें दूर हो सकती हैं. व्यापारिक विस्तार की संभावना बढ़ रही है.

खानापुर में रक्तदान शिविर में 25 युवाओं ने किया रक्तदान

अमरावती- जिले में सर्वत्र संतश्री गजानन महाराज प्रकटोत्सव का कार्यक्रम जारी है. इसके चलते सर्वत्र अपार उत्साह है. धार्मिक के साथ ही सामाजिक उपक्रम भी चल रहा है. स्थानीय गजानन महाराज खानापूर में प्रकटोत्सव के उलक्ष्य में सोमवार को रक्तदान शिबिर लिया गया. इसमें 25 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया.गजानन महाराज संस्थ खानापुर उपजिला अस्पताल मोर्शी तथा रक्तदाता समिति मोर्शी के संयुक्त तत्वाधान में इस शिबिर का आयोजन किया गया है.पूर्व उपसरपंच संदीप भदाडे, स्वर्णा भदाडे सहित अन्यों ने रक्तदान कर इसकी शुरूवात की.उपजिला अस्पताल के वैद्यकीय अधिक्षक डॉ. प्रमोद पोतदार डॉ प्रदीप कुलहाडे रविंद्र गुल्हाने जय देवा क्रिमंडल के मिलिंद ढोले प्रमुखता से उपस्थित थे.शिबिर की सफलतार्थ संदीप भदाडे अरूण लुंगे प्रवीण आखरे स्वार्णा वानखडे निलेश गायकवाड पंकज खडसे हर्षल सूर्यवंशी प्रणव देवताले अमोल राऊत सहित अन्यों ने प्रयास किया. मौके पर खानापुर के ग्रामवासी तथा आसपास के नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे .

विदर्भ स्वाभिमान

विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199

संस्कार रूपी नींव मजबूत करना जरूरी है

विदर्भ स्वाभिमान,28 फरवरी

अमरावती- देश की आबादी तेजी से बढ़ रही है, इन्सानों की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है लेकिन दुख की बात यह है कि इन्सानियत घट रही है. यह क्यों घट रही है, क्यों अपनी औलाद ही माता-पिता को बुढ़ापे में वृद्धाश्रम भेजने लगा है, इसके लिए बच्चों से अधिक दोषी माता-पिता हैं, जिन्होंने बच्चों को डाक्टर, इंजीनियर, बड़ा आदमी बनाने का सपना देखा लेकिन एक अच्छा इन्सान बनाने की दिशा में कभी प्रयास नहीं किया. जो माता-पिता बच्चे की उंगली पकड़कर मंदिर साथ में ले जाते हैं, वह औलाद बुढ़ापे में माता-पिता की उंगली पकड़कर मंदिर में ले जाने से कभी नहीं चूकता है. इसलिए सर्वप्रथम हमें संस्कार रूपी नींव को मजबूत करने का प्रयास करना होगा. इस

आशय का स्पष्ट मत सुख्यात कथाकार और मानव सद्भावना ट्रस्ट के माध्यम से गौमाता की सेवा में अपना जीवन समर्पित करने वाले पूज्य पंडित शिव गुरू शर्मा ने किया. विदर्भ स्वाभिमान के श्रीराम विशेषांक का अवलोकन बारीकी से करने के बाद इस समाचार पत्र को मानवता और धर्म की इसके प्रयासों की सराहना की और कहा कि आज इस तरह की पत्रकारिता की नितांत आवश्यकता है.

उज्जैन जिले के उनेर में 250 घायल गौमाता की सेवा के लिए भव्य गौशाला खोलने वाले और क्षेत्र को धार्मिक के साथ ही सामाजिक उपक्रमों का केन्द्र बनाने वाले शिव गुरु महाराज के मुताबिक राष्ट्रधर्म से बड़ा कोई धर्म नहीं हो सकता है. धर्म के मुताबिक जब सत्ता चलती है तो देश तरक्की

करता है. लेकिन जिस देश में स्वलाभ के लिए जब देश के बारे में नहीं सोचा जाता है और मुफ्त में बांटने वाली प्रवृत्ति रखी जाती है तो देश का पतन होता है.

प्रभु श्रीराम के मंदिर की भारत में कमी नहीं है, लेकिन मर्यादा पुरूषोत्तम का आचरण पूरे विश्व के सामने लाने वाले मंदिर के रूप में अयोध्या के श्रीराम मंदिर को जागरण मंदिर कहा जा सकता है. उनके मुताबिक बचपन के संस्कार हमारी नींव का काम करते हैं. जिस तरह नींव मजबूत हो तो भवन कितना भी मंजिल रहे, फर्क नहीं पड़ता है,

शेष पेज 3 पर

गुणवत्ता *विश्वसनीयता* *तत्पर सेवा*

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्‌चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.

फोन 2564125,2674048

राजपुरोहित डिजिटल स्टुडियो

फोटोग्राफी की आधुनिकतम साज-सज्जा के साथ ही रियायती कीमत में बेहतरीन गुणवत्ता की विडियो शूटिंग के लिए शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में एकमात्र विश्वसनीय केन्द्र.फोटोग्राफी, विडियो शूटिंग के साथ अलबम के काम किए जाते हैं.

राजपुरोहित फोटो स्टुडियो

कृष्णार्पण कॉलोनी, संत लहानुजी महाराज मंदिर के पास,अमरावती.अमरावती.

मो.9028123251

विदर्भ स्वाभिमान

विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199

मत बुरा कर्म कर बंदे, वर्ना पछताएगा

प्रभु ने हमें जो आदर्श जीवन दिया है, यह केवल हमारे लिए ही नहीं है. बल्कि इस जीवन का हम किस तरह स्वयं के कल्याण के साथ ही मानव कल्याण के लिए यथासंभव उपयोग करते हैं. ज़ो जीवन में केवल अपने लिए ही जीते हैं, उनमें और पशुओं में कोई अंतर नहीं होता है. लेकिन जो गरीबों, जरूरतमंदों को अपनी क्षमता के मुताबिक मदद देने का काम करते हैं, प्रभु सदैव उनकी झोली खुशियों से भर देता है. इसलिए भाव के साथ देव का विश्वास रखते हुए सदैव अच्छा करने का प्रयास करें. किसी के साथ छल करने के बाद अपने साथ वैसा ही छल होगा, यह निश्चित मानकर चलें . बुरा करनेवाले को उसका दंड भुगतना ही पड़ता है.

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

विदर्भ स्वाभिमान

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

❖ अमरावती, गुरूवार 30 नवंबर से 6 दिसंबर 2023 ❖वर्ष :14 ❖ अंक- 23 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

समूचे भारत में माता-पिता की सेवा के महात्म्य और उनके आशिर्वाद की महत्ता को बढ़ावा देने वाले, भारतीय संस्कृति, धर्म और सामाजिक अच्छाईयों को समर्पित तथा इसे ही बढ़ावा देने के संकल्प के साथ 14 वर्षों से पत्रकारिता का गौरव बढ़ाने वाला एकमात्र समाचार पत्र. मानवता की सेवा, पशुओं की रक्षा के साथ ही बच्चों पर आदर्श संस्कार के लिए प्रयासरत हैं. आप भी माता-पिता की सेवा से जुड़े अपने विचार हमें भेज सकते हैं. मानवता की सेवा वाले प्रसंगों को भी प्रकाशित करेंगे.

पूज्य बाबूजी कहते थे कि परिवार में भी पिता की भूमिका कोर्ट, मां की भूमिका पुलिस और बच्चों की भूमिका जब जनता के जैसी होती है तो उस परिवार में संस्कार की दिक्कत कभी नहीं आती है. इस परिवार का हर सदस्य सदैव अनुशासन में रहता है. लेकिन जहां पिता कठोर, मां उसके खिलाफ रहने वाली होती है, वहां के बच्चों पर कभी भी आदर्श संस्कार नहीं हो पाते हैं.पिता का त्याग, मां का प्रेम और संस्कार बच्चों का जीवन संवारता है.

विज्ञापन, आजीवन सदस्य बनने के लिए संपर्क करें

हमारा पता-विदर्भ स्वाभिमान श्रीहरी भवन, छाया कॉलोनी, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, जाधव आटा चक्की तथा विदर्भ स्वाभिमान गल्ली, अमरावती.

मोबाइल 9423426199/8855019189/8208407139

Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com,www.vidarbhswabhiman.com